14

कलीसियाः

इसके प्राचीन (ऐल्डर), उन्हें कैसे बनाया और उतारा जाता है

ऐल्डर कैसे चुने जाते हैं

1. **कलीसिया ''में'' और कलीसिया ''पर'' ऐल्डरों को वास्तव में कौन बनाता है (प्रेरितों 20:28)?**
2. **ऐल्डरों की योग्यता किसने प्रकट की थी (यूहन्ना 16:13)?**
   क. ज़्या वास्तव में ऐल्डरों को पवित्र आत्मा ठहराता है या उनकी योग्यताएं ही बताता है?
   ख. ऐल्डरों में किन योग्यताओं के होने की अपेक्षा की जाती है? (पाठ 13 में सूची देखें।)
   ग. फिर ये योग्यताएं कैसे पूरी की जाती हैं (2 तीमुथियुस 2:15; 1 तीमुथियुस 3:1)?

उनका चयन

1. **प्रथम डीकनों का चयन करने के लिए, योग्यताएं किसने बताई थीं (प्रेरितों 6:2, 3)?**
   बदले में उनका चयन किसने किया (प्रेरितों 6:5, 6)?
   क. ''सारी मण्डली'' का ज़्या जवाब था (प्रेरितों 6:5)?
   ख. ऐल्डरों के चयन का यह ढंग ज़्या सही नहीं है?
   ग. ऐल्डरों के चयन की प्रक्रिया में ज़्या सारी कलीसिया को भाग नहीं लेना चाहिए? कलीसिया में ऐसे पुरुष मिल जाने पर, ज़्या उन्हें ऐल्डर नहीं चुन लेना चाहिए?
   घ. जिनकी रखवाली की जानी है ज़्या उन्हें अपने ऊपर चुने जाने वाले रखवाले के लिए नहीं बोलना चाहिए?
2. **ऐल्डरों का चयन करने के लिए ज़्या नहीं करना चाहिए?**
   क. ज़्या इस पद की इच्छा रखने वालों को मण्डली से अपने पक्ष में वोट मांगने चाहिए (रोमियों 12:10क)?

आदर देने में, हर एक को एक दूसरे को कैसा समझना चाहिए (रोमियों 12:10ख)?

ख. ज़्या स्थानीय सेवक (प्रचारक) को ऐल्डरों के चयन को अपने अधिकार में रखना चाहिए (1 तीमुथियुस 4:12)?

ग. ज़्या ऐल्डरों का चुनाव दूसरे ऐल्डर को ''ने'' या ''ठहराने'' को तय करने के लिए किया जाना चाहिए?

ज़्या उसका चयन प्रचारक को ''निकालने'' या नियुज़्त करने के लिए किया जाना चाहिए?

नियुक्ति

1. **कलीसिया द्वारा डीकन बनाने के लिए पुरुषों को चुन लेने के बाद, प्रेरितों ने ज़्या किया (प्रेरितों 6:6)?**

   कलीसिया द्वारा पुरुषों को चुन लेने के बाद ज़्या होना चाहिए?

   क. ज़्या *चयन* के बाद *नियुक्ति* नहीं हुई थी?

   ख. ऐल्डरों को चुनने के लिए ज़्या यही ढंग नहीं अपनाया जाना चाहिए?

2. **कलीसियाओं की स्थापना हो जाने के बाद पौलुस और सीलास ने ज़्या किया था (प्रेरितों 14:23)?**

3. **तीतुस को क्रेते में ज़्यों छोड़ा गया था (तीतुस 1:5)?**

   क. ज़्या इन हवालों से यह पता नहीं चलता कि सभी ऐल्डरों को नियुज़्त किया गया था?

   ख. ऐल्डरों का चयन तथा नियुज़्ति कितनी गंभीरता से होनी चाहिए (कुलुस्सियों 3:17)? पौलुस की बिनती को ज़बानी याद करें (फिलिप्पियों 4:9)। प्रारज़्भिक कलीसियाओं में ऐल्डरों की नियुज़्ति के ढंग पर बहस की जा सकती है, परन्तु इसकी गंभीरता में कभी कोई संदेह न था और न है।

   ग. ऐल्डरों की नियुज़्ति में प्रचारक को सावधानी से ज़्यों काम करना चाहिए (1 तीमुथियुस 5:22)? ऐल्डरों के चयन और नियुज़्ति में प्रचारक किस प्रकार सहायक हो सकता है? उसका काम कैसा होना चाहिए (तीतुस 2:7, 8)?

4. **डीकनों और ऐल्डरों को कौन नियुज़्त करता था (प्रेरितों 6:6; 14:23; तीतुस 1:5)?**

   क. ज़्या बिना चयन और नियुज़्ति के कोई इस पद पर काम कर सकता है?

   ख. ज़्या बिना चयन या नियुज़्ति के इन योग्यताओं वाले लोगों को ऐल्डरों के रूप में काम करना चाहिए?

   यदि हां, तो फिर उनके चयन और नियुज़्ति की ज़्या आवश्यकता है?

   ग. तो फिर कोई एक ऐल्डर के रूप में कब सेवा कर सकता है (तीतुस 1:5)?

ऐल्डरों को पद से कैसे हटाया जा सकता है

1. **यदि कोई ऐल्डर एक ऐल्डर की तरह काम नहीं करता, तो ज़्या उसे उस पद पर माना जाना चाहिए?**

2. **किसी ऐल्डर को पद से कब हटाया जा सकता है?**
   जब वह उस भरोसे के मुताबिक काम न करे जो उस पर किया गया है।
3. **कलीसिया की सेवा करने की अपनी योग्यता को एक ऐल्डर कब खोता है?**
   अपने आलस्य या संदेहपूर्ण आचरण से। तब उसे उतार दिया जाना चाहिए।
   क. ज़्या ''एक बार ऐल्डर चुने जाने के बाद वह हमेशा ऐल्डर रहता है''?
   ख. ज़्या ''कोई एक बार मसीही बनने के बाद हमेशा मसीही बना रहता है''?
   ग. तो फिर इस कहावत का ज़्या अर्थ है: ''यदि खच्चर अपने खच्चरपन से त्यागपत्र नहीं दे सकता तो एक ऐल्डर भी अपने पद से इस्तीफा नहीं दे सकता''?
4. **अयोग्य ठहरे ऐल्डर को हटाने में कौन भाग ले सकता है?**
   वर्तमान ऐल्डरों की अगुआई में वे लोग जिन्होंने उसके चयन और नियुज़्ति में भाग लिया है।
5. **ऐल्डरों का ज़्या महत्व है (1 तीमुथियुस 3:1)?**
   क. ज़्या कोई अपने आधिकारिक कर्ज़व्य से त्याग पत्र नहीं दे सकता?
   ख. ऐसे व्यज़्ति को कब त्यागपत्र देना चाहिए?